

5. काव्य. नायक द्वारा नायिका के मनोनुकूल कार्य करना वि. दक्षिण या दक्षिण से संबंधित।

दाक्षी स्त्री. (तत्.) 1. प्रजापति दक्ष की पुत्री 2. संस्कृत व्याकरणकार पाणिनि की माता का नाम।

दाक्षेय वि. (तत्.) दाक्षीपुत्र, संस्कृत वैयाकरण पाणिनि मुनि।

दाख स्त्री. (तद्.) अंगूर, मुनक्का, द्राक्षाफल।

दाखिनहा वि. (देश.) दक्षिण का, दक्षिणी।

दाखिल वि. (फा.) 1. प्रविष्ट, घुसा हुआ, शामिल 2. जमा।

दाखिल करना स.क्रि. (फा.) 1. जमा करना प्रयो. मैंने प्रार्थना पत्र दाखिल कर दिया 2. भरना प्रयो. फीस दाखिल कर दी क्या?

दाखिल-खारिज पुं. (फा.) किसी धन या संपत्ति के अधिकार के नामांतरण की प्रक्रिया, नए अधिकारी का नाम दाखिल करना और पुराने अधिकारी का नाम खारिज करना mutaion

दाखिल-दफ्तर पुं. (फा.) सरकारी फाइल में किसी का नाम या किसी घटना का विवरण शामिल करना entry

दाखिला पुं. (फा.) 1. प्रवेश 2. समावेश 3. दाखिले की रसीद।

दाग पुं. (तद्.) 1. मृतक का दाह, शव जलाने का कर्म, दाग देना-अंतिम कर्म करना 2. पहचान के लिए जलाने का चिह्न (प्रायः पशुओं पर किसी गर्म वस्तु से दाग लगा दिया जाता है) (फा.) 1. धब्बा, खराबी का निशान, कलंक 2. किसी वस्तु पर पड़ा हुआ ऐसा निशान जो अलग रंग का स्पष्ट रूप से दिखे, धब्बा जैसे- गाय के शरीर पर काले काले दाग हैं 3. कृषि. एक रोग जिसके कारण पत्तियों, तनों, फूलों और फलों पर भी अनियमित आकार के धब्बे पड़ जाते हैं मुहा. दाग लगाना- दोषारोपण करना, कलंक लगाना; दाग धोना- कलंक मिटाना; दाग पड़ना- कोई धब्बा लग जाना।

दागना स.क्रि. (देश.) 1. जलाना, दग्ध करना 2. तपे हुए लोहे या किसी धातु से जलने का चिह्न बनाना 3. तोप में बत्ती लगाकर आग लगाना, बंदूक चलाना (फा.) धब्बा लगा देना।

दागी वि. (फा.) 1. जिस पर दाग लग गया हो, दागदार, कलंकित 2. चरित्रहीन, सजायाफ्ता 3. दूषित जैसे दागी फल।

दागी पक्वन पुं. (फा.+तत्) (कृषि) टमाटर पर पकते समय डंठल के आसपास हरे, पीले या सफेद धब्बे पड़ जाना blotchy ripening

दाघ पुं. (तत्.) 1. ताप, गरमी, धूप की तीव्रता 2. दाह, जलन, तेज धूप से होने वाला शारीरिक कष्ट।

दाज पुं. (तद्.) दहेज।

दाड़क पुं. (तत्.) दाढ़, पीसने वाला दाँत।

दाड़िंब पुं. (तत्.) अनार का वृक्ष।

दाड़िम पुं. (तत्.) 1. अनार, अनार का वृक्ष 2. छोटी इलायची।

दाढ़ स्त्री. (तद्.) 1. चबाने या पीसने वाले दाँत जो अपेक्षाकृत चौड़े तथा मुँह के अंदर की ओर होते हैं 2. सूअर के बाहर निकले हुए दाँत जो शस्त्र का काम करते हैं 3. कहीं कहीं घनी दाढ़ी के अर्थ में भी प्रयोग होता है।

दाढ़ी स्त्री. (तद्.) 1. दाढ़ों के बाहर की ओर की त्वचा पर ठोड़ी पर उगने वाले बाल 2. ठोड़ी, चिबुक, हनु मुहा. दाढ़ी में दाग लगाना- बड़ी आयु में कलंक लगाना; दाढ़ी पकना- आयु में बड़ा हो जाना, वृद्ध होना; पेट में दाढ़ी होना- बहुत चालाक होना।

दाढ़ीजार पुं. (देश.) एक प्रकार की गाली जो प्रायः स्त्रियाँ पुरुष को देती हैं।

दातन पुं. (तद्.) दे. दातौन।

दातव्य वि. (तत्.) 1. देने योग्य, जो देने के लिए ही हो 2. दान के लिए पुण्य के लिए, धर्मार्थ, खैराती जैसे- दातव्य चिकित्सालय, जो दान पर